



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 64] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 5, 1979/माघ 16, 1900
No. 64] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 5, 1979/MAGHA 16, 1900

इस भाग में खिल्ली पृष्ठ संख्या की बाती है जिसमें कि वह वर्णन संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation.

खिल्ली मंचनालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1979

का. आ. 71 (अ).—मैं, एम. रामचन्द्रन, प्रशासक, स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम,
1968 (1968 का 45) की धारा 115 की उधारा (1) के साथ पठित धारा 18 की उधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शारीकतयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार टक्साल के, अनुक्रमित शारीकत
झेने के नाते, राष्ट्रीय रक्षा स्वर्ण बंधपत्र, 1980 के अपेक्षित प्रीतसंवाय को पूरा करने के
प्रयोजनों के लिए, 995 प्रीत हुओर शुद्धिभता याते, एक से नौ प्राम तक के क्षानों के रूप में
प्राथमिक स्वर्ण का विनियोग करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

[सं. 1/79/का. सं. 131/51/78-ची.सी. 2]

.मा. रामचन्द्रन, स्वर्ण नियंत्रण प्रशासक,

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 5th February, 1979.

S.O. 71 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18 read with sub-section (1) of section 115 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), I, M. Ramachandran, the Administrator, hereby authorise the India Government Mint being a licensed refiner to manufacture primary gold in the form of granules of weight ranging from 1 to 9 gms. and having a purity of 995 per mille for the purpose of meeting the repayment requirement of the National Defence Gold Bonds, 1980.

[No. 1/79/F. No. 131/51/78-GC. II]

M. RAMACHANDRAN, Gold Control Administrator